ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

महामहिम राष्ट्रपति से मिलीं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की कुलपति

वर्धा, 26 अगस्त 2025 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की कुलपति प्रोफेसर कुमुद शर्मा ने सोमवार, 25 अगस्त को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में महामहिम राष्ट्रपति व विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष माननीय द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, शोध और सांस्कृतिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी।

इस मुलाकात के बाद विश्वविद्यालय परिवार में उत्साह का वातावरण है। विद्यार्थियों और अध्यापकों ने इसे एक ऐतिहासिक अवसर बताया है। उनका मानना है कि महामहिम राष्ट्रपति के आशीर्वाद से विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में न केवल हिंदी बल्कि भारतीय संस्कृति के प्रसार में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा।

उल्लेखनीय है कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1997 में संसद के एक अधिनियम द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य हिंदी भाषा और साहित्य के अध्ययन-अध्यापन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन देना है। वर्धा की यह धरती जो गांधीजी और विनोबा भावे जैसे महापुरुषों की कर्मस्थली रही है, आज हिंदी के वैश्विक प्रसार का केंद्र बन चुकी है।

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालच्या कुलगुरूंनी घेतली महामहिम राष्ट्रपतींची भेट

वर्धा, २६ ऑगस्ट २०२५ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धेच्या कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांनी सोमवार, २५ ऑगस्ट रोजी राष्ट्रपती भवन, नवी दिल्ली येथे महामहिम राष्ट्रपती व विश्वविद्यालयाच्या कुलाध्यक्ष माननीय द्रौपदी मुर्मु यांची सौजन्य भेट घेतली आणि त्यांना विश्वविद्यालयाच्या शैक्षणिक, शोध व सांस्कृतिक उपक्रमांची सविस्तर माहिती दिली.

या भेटीनंतर विश्वविद्यालय परिवारात उत्साहाचे वातावरण आहे. विद्यार्थ्यांनी व प्राध्यापकांनी या भेटीला ऐतिहासिक क्षण मानले आहे. त्यांचे मत आहे की महामहिम राष्ट्रपतींच्या आशीर्वादामुळे विश्वविद्यालयात येत्या काळात केवळ हिंदी भाषेच्या नव्हे तर भारतीय संस्कृतीच्या प्रसारातही अग्रणी भूमिका बजावेल.

उल्लेखनीय आहे की महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाची स्थापना १९९७ साली संसदेत पारित अधिनियमाद्वारे करण्यात आली. विश्वविद्यालयाचा उद्देश हिंदी भाषा आणि साहित्याच्या अध्ययन- अध्यापनास आंतरराष्ट्रीय स्तरावर प्रोत्साहन देणे हा आहे. वर्धेची ही भूमी, जी महात्मा गांधी आणि विनोबा भावे यांसारख्या थोर विभूतींची कर्मभूमी राहिलेली आहे, आज हिंदीच्या जागतिक प्रसाराचे केंद्र बनली आहे.

Vice Chancellor of Mahatma Gandhi International Hindi University Meets Hon'ble President

Wardha, 26 August 2025: Professor Kumud Sharma, the Vice Chancellor of Mahatma Gandhi International Hindi University, Wardha, paid a courtesy visit to Her Excellency the President of India and the Visitor of the University, Hon'ble Droupadi Murmu, at Rashtrapati Bhavan, New Delhi on Monday, 25 August. During the meeting, she apprised the President of the university's academic, research, and cultural activities in detail.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

Following this meeting, a wave of enthusiasm swept through the university community. Students and faculty members have described it as a historic occasion. They believe that with the blessings of the Hon'ble President, the university will, in the coming years, not only play a leading role in the promotion of the Hindi language but also in the propagation of Indian culture globally.

It is noteworthy that Mahatma Gandhi International Hindi University was established in the year 1997 through an Act of Parliament. The objective of the university is to promote the study and teaching of Hindi language and literature at the international level. The land of Wardha, which was once the workplace of great personalities like Mahatma Gandhi and Vinoba Bhave, has now become a center for the global promotion of Hindi.